Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	Remington Gail 22nd February 2020 Shift 1 T1
Subject Name:	Remington GAIL
Creation Date:	2020-02-22 13:24:01
Duration:	25
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	2549892299
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Show Attended Group? :	No
Edit Attended Group? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0
Is this Group for Examiner?:	No

Hindi Typing Test

Section Id :	2549893307
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id:	2549893320
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 1 Question Id : 25498938087 Question Type : TYPING TEST

एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number :	2
Group Id :	2549892300
Group Maximum Duration :	15
Group Minimum Duration :	15
Show Attended Group? :	No
Edit Attended Group? :	No
Break time:	0
Group Marks:	0
Is this Group for Examiner?:	No

Hindi Typing Test

Section Id :	2549893308
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0

Sub-Section Number:	1
Sub-Section Id:	2549893321
Question Shuffling Allowed :	No

Question Number : 2 Question Id : 25498938088 Question Type : TYPING TEST

कुछ विद्वानों का मत है कि शिक्षा का उद्देश्य संस्कृति का विकास एवं उन्नति होना चाहिये। लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि प्रत्येक देश तथा काल में संस्कृति शब्द का निहितार्थ बदलता रहा है। कुछ देशों में केवल किसी विशेष भाषा के पठन एवं भाषण में निपुणता को ही संस्कृति माना गया हे तो कुछ ने केवल ज्ञान प्राप्त करने को ही संस्कृति समझा जाता था। इसी प्रकार प्राचीन भारत में संस्कृत का ज्ञान प्राप्त करना तथा मध्य भारत में उर्दू और फारसी शब्दों का प्रयोग करना एक सुसंस्कृत व्यक्ति का विशेष गुण माना जाता था। व्यवहार और जीवन शैली के आधार पर भी संस्कृति का मानदण्ड स्थिर किया जाता रहा है। कुछ देशों में सिगरेट, शराब एवं जुआ आदि को संस्कृति के अंतर्गत सम्मिलित किया जाता है तो कुछ में संगीत, कला तथा साहित्य में रूचि रखना एवं चरित्रवान बनना एक सुसंस्कृत व्यक्ति के विशेष लक्षण होते हैं। इस प्रकार हम देखते हैं कि यदि किसी अमुक देश तथा काल में किसी अमुक बात को गुण समझा जाता है तो उसी बात को दूसरे देश में उसी अथवा विशिष्ट काल में घृणित दृष्टि से देखा जाता है। कुछ भी हो, संकुचित अर्थ में संस्कृति का तात्पर्य कवशेष आदतें, जीवनशैली तथा वार्तालाप के तरीके एवं व्यवहार पद्धति से होता है। इन सब बातों की शिक्षा प्राप्त करके ही व्यक्ति का आदर होता है। इसलिए शिशु सदन खोले जाते हैं। इसके विपरीत व्यापक अर्थ में संस्कृति का अभिप्राय सर्वोच्च विचारों की जानकारी प्राप्त करके उन्हें दैनिक जीवन में प्रयोग करना होता है। विद्वानों का मत है कि संस्कृति बालक की पाशविक प्रवृत्तियों का शुद्धीकरण करके उसकी आत्मा को निखरती है। इससे उसका चरित्र महान तथा प्रशंसनीय बना जाता है। इस प्रकार संस्कृति का अर्थ उस संपूर्ण सामाजिक संपत्ति से है जो एक पीढी से दूसरी पीढी को हस्तांतरित होती रहती है। व्यक्तिगत, जातीय संस्कृति, राष्ट्रीय संस्कृति तथा विश्व संस्कृति, संस्कृति के विभिन्न् रूप होते हैं। मोटे तौर पर संस्कृति का अर्थ प्रत्येक देश तथा काल के अनुसार बदलता रहता है। संस्कृति का कोई भी रूप हो अथवा वह किसी भी व्यक्ति, देश तथा काल की हो। उसे उसी समय अच्छा माना जा सकता है जब उसमें उपयोगिता और प्रगतिशीलता के गुण पाये जाते हों। यानी यदि संस्कृति से व्यक्ति को लाभ तथा समाज कल्याण होता है तो वह अच्छी होती है अन्यथा नहीं। जैसे यदि उपयोगिता और समाज कल्याण को अच्दी संस्कृति की कसौटी मान लिया जाये तो सिगरेट, शराब, जुआ तथा एवचं पतंगबाजी की जगह शास्त्रीय संगीत, कला एवं काव्य आदि व्यक्ति समाज दोनों के लिए उपयोगी है। प्रगतिशील संस्कृति का दूसरा विशेष गुण यह भी है कि वह स्थायी नहीं अपितु प्रगतिशील होती है। दूसरे शब्दों में, संस्कृति सदैव बदलती तथा विकसित होती है। आधुनिक यातायात के साधनों तथा वैज्ञानिक आविष्कारों इत्यादि के द्वारा एक संस्कृति दूसरी संस्कृति से प्रभावित होती तथा विकसित होती हैं।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Standard
Keyboard Layout: Remington
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes